उत्तर प्रदेश 112 आपात सेवाएं

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक:– 25.04.2026

महोबा पुलिस

मीडिया सेल, महोबा

मिशन शक्ति फेज–5.0 (द्वितीय चरण) के तहत महिला सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता अभियान — महोबा पुलिस का संवेदनशील प्रयास-

पुलिस अधीक्षक महोबा श्री शशांक सिंह के निर्देशन में जनपद महोबा में संचालित मिशन शक्ति फेज–5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वन्दना सिंह के निकट पर्यवेक्षण में महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के उद्देश्य से विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएँ एवं संवाद सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज दिनांक 11.04.2026 को जनपद के समस्त थानों में नियुक्त मिशन शक्ति पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत स्कूलों/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर छात्राओं, छात्रों एवं महिलाओं को आत्मरक्षा, उनके अधिकारों तथा साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रमों के दौरान छात्राओं को 'गुड टच' व 'बैड टच' की पहचान, आत्मरक्षा के सरल उपाय तथा महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि) के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

साइबर अवेयरनेस कैम्पेन — डिजिटल युग में सुरक्षा की ओर कदम-

मिशन शक्ति कार्यक्रम के साथ-साथ महोबा पुलिस द्वारा "साइबर अवेयरनेस कैम्पेन" भी संचालित किया जा रहा है। इसके तहत लोगों को साइबर अपराधों के प्रकार, उनसे बचाव के उपाय, साइबर फ्रॉड की पहचान, फेक लिंक/ओटीपी धोखाधड़ी से सतर्क रहने की जानकारी दी गई।

इस दौरान छात्र/छात्राओं को साइबर अपराध की शिकायत हेतु राष्ट्रीय हेल्पलाइन नम्बर 1930 एवं पोर्टल www.cybercrime.gov.in के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर—

- 1076 – मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1090 – वीमेन पावर लाइन 181 – महिला हेल्पलाइन 112 – पुलिस आपातकालीन सेवा 102 – गर्भवती महिलाओं/नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस सेवा 108 – सामान्य एम्बुलेंस सेवा 1098 – चाइल्ड हेल्पलाइन 101 – अग्निशमन सेवा 1930 – साइबर हेल्पलाइन

अभियान का उद्देश्य-

मिशन शक्ति फेज–5.0 (द्वितीय चरण) एवं साइबर अवेयरनेस कैम्पेन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार करना, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना, डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना तथा समाज में महिला सम्मान की भावना को और अधिक सशक्त बनाना है।

उत्तर प्रदेश 112 आपात सेवाएं

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक:– 25.04.2026

महोबा पुलिस

मीडिया सेल, महोबा

पुलिस अधीक्षक महोबा द्वारा “थाना समाधान दिवस” पर जनसुनवाई, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश...।

आज दिनांक 25.04.2026 को “थाना समाधान दिवस” के अवसर पर जिलाधिकारी महोबा श्रीमती गजल भारद्वाज व पुलिस अधीक्षक महोबा श्री शशांक सिंह द्वारा थाना श्रीनगर पहुँचकर क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याओं की जनसुनवाई की गई। इस दौरान क्षेत्राधिकारी चरखारी श्री दीपक दुबे उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा सभी शिकायतों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण का आश्वासन दिया गया। उन्होंने मौके पर ही राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों का गठन कर प्राप्त शिकायतों के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का पारदर्शी, त्वरित एवं न्यायसंगत निस्तारण सुनिश्चित करना है।

इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी कुलपहाड़ श्री रविकान्त गोंड द्वारा थाना कुलपहाड़ में जनसुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा राजस्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर अपने-अपने थानों पर समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें प्राप्त प्रार्थना पत्रों की जांच कर संयुक्त टीमों द्वारा मौके पर जाकर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की गई।

उत्तर प्रदेश 112 आपात सेवाएं

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक:– 25.04.2026

महोबा पुलिस

मीडिया सेल, महोबा

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को सकुशल एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने हेतु डीएम व एसपी महोबा का व्यापक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा।

आज दिनांक 25.04.2026 को जिलाधिकारी महोबा श्रीमती गजल भारद्वाज एवं पुलिस अधीक्षक महोबा श्री शशांक सिंह द्वारा जनपद में आयोजित हो रही होमगार्ड भर्ती परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जनपद के समस्त परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण/निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों की सुगम प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी, परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग, बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहनता से अवलोकन किया गया।

अधिकारियों द्वारा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल को सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए, साथ ही किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनपद पुलिस एवं प्रशासन द्वारा समन्वित रूप से कार्य करते हुए परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराये जाने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।